



**PRESS NOTE**

संख्या-1052/प्रेसनोट/अ0सं0/2015/

14 नवम्बर 2015

**34वीं अखिल भारतीय पुलिस घुड़सवारी प्रतियोगिता एवं माउटेड पुलिस  
ड्यूटी मीट –2015 का शुभारंभ समारोह ।**

टेकनपुर। 14 नवम्बर 2015। 34वीं अखिल भारतीय पुलिस घुड़सवारी प्रतियोगिता एवं माउटेड पुलिस ड्यूटी मीट- 2015 का आयोजन दिनांक 15 से 25 नवम्बर 2015 तक सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर के अश्व स्कूल में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में भारत के विभिन्न राज्यों एवं केन्द्रीय पुलिस बल के 18 घुड़सवारी टीमों भाग ले रहीं हैं। प्रतियोगी टीम में घुड़सवारों की संख्या 213 एवं घोड़ों की संख्या 293 है। दिनांक 16 नवम्बर 2015 को अकादमी टेकनपुर में प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा। प्रतियोगिता के शुभारंभ कार्यक्रम में श्री बालेन्दु शुक्ला (मध्य प्रदेश सरकार के भूतपूर्व मंत्री) मुख्य अतिथि होंगे। प्रतियोगिता के शुभारंभ में वरीष्ठ अधिकारीगण, राजनेता, अंतरराष्ट्रीय स्तर के भारतीय खिलाड़ी, एवं कई गणमान्य व्यक्तियों के आने की उम्मीद है।

इस प्रतियोगिता का अयोजन बल मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल नई दिल्ली के आदेशानुसार, श्री एस एस तोमर, एडीजी/निदेशक अकादमी टेकनपुर के निर्देशन में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में सीसुबल अकादमी टेकनपुर के घुड़सवारी टीम भी भाग ले रही है। ज्ञात हो कि सीसुबल अकादमी घुड़सवारी टीम ने बल का प्रतिनिधित्व करते हुए गोल्ड मेडल - 18, सिलवर मेडल- 15, ब्रॉस मेडल 10 एवं अन्तरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में 20 से भी अधिक मेडल प्राप्त किए हैं।

इस प्रतियोगिता में सीसुबल, एसएसबी, आईटीबीपी, असम राईफल, बिहार पुलिस, छत्तीसगढ़ पुलिस, दिल्ली पुलिस, गुजरात पुलिस, हरियाणा पुलिस, बंगाल पुलिस, म0प्र0 पुलिस, एन0पी0ए0 हैदराबाद, पंजाब पुलिस, राजस्थान पुलिस, यूपी0 पुलिस, कर्नाटका पुलिस, आसाम पुलिस, तेलंगाना पुलिस के घुड़सवारी टीम हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगी टीम के 213 घुड़सवार एवं 293 घोड़े इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं।

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य भारत के घुड़सवारी कीडा को अंतराष्ट्रीय स्तर पर एक नया मुकाम हासिल करना है। इस प्रतियोगिता के दौरान घुड़सवारी टीम अपने-अपने कौशल को दिखाएंगे। प्रतियोगिता का नियमानुसार पालन, ईमानदारी तथा खेल भावना को बनाए रखने के लिए सभी प्रतिभागियों को शपथ दिलाई जाएगी। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता टीम को ट्रॉफियां एवं मैडलों से पुरस्कृत किया जाएगा।

कमाण्डेन्ट  
अध्ययन संकाय

